

अपना साथी भाषण करते अपने आपम
न लगातार वज्र घायल करते चिह्नित
होनेवाला दहांखर मुपरी अंधा खकारीच
निकलते उस भाषणावाल...-

七

सं एविज्ञ व्याप्ति स विशेष वर्तमान विधिर्गतः।
एविष्ट्रक लभान् ५- अप्ने-२००८/११.३-१०५, सुन्दरी-६,
वामप विवाह भवन, २३६ ए १०००८,
दिल्ली-५- इन्डियन १०००-

三五七

प्राचीन भारतीय वास्तव ज्ञान का असाधारण

53-142
(3, 9, 10)
मा अधिकारी, वाराणसी बाजार

四百一十一

निष्ठा विद्या, ज्ञान विद्या / श्रीमद्,

सांस्कृतिक प्रक्रिया में एवं

संस्कृत विज्ञान एवं साहित्य

मध्ये कांगड़ारी आँखारी, ३ व जिल्हारीवटा,
आदान, उंचा कामाण, पहं गढुरास, वृष्टी,
सर्व भागाकान्याण अधिकार जिल्हाप्रिधा.
सर्व भक्त्योदय आँखारी, ५ व जिल्हारात्यन केंद्र
साध जिक नाथ दिखानाहोत शर्व वाहारान,
निकाल नक्तरी, का-भाषार-वे